SPECT
— RESEARCH ASSOCIATION —

बहराइच

लोकसभा सीट का समीकरण

/SPECTFoundation

बहराइच जिले की आबादी

कुल आबादी 3,487,731

(जनगणना 2011 के अनुसार)

हिन्दू आबादी

65.71%

मुस्लिम आबादी

33.53%

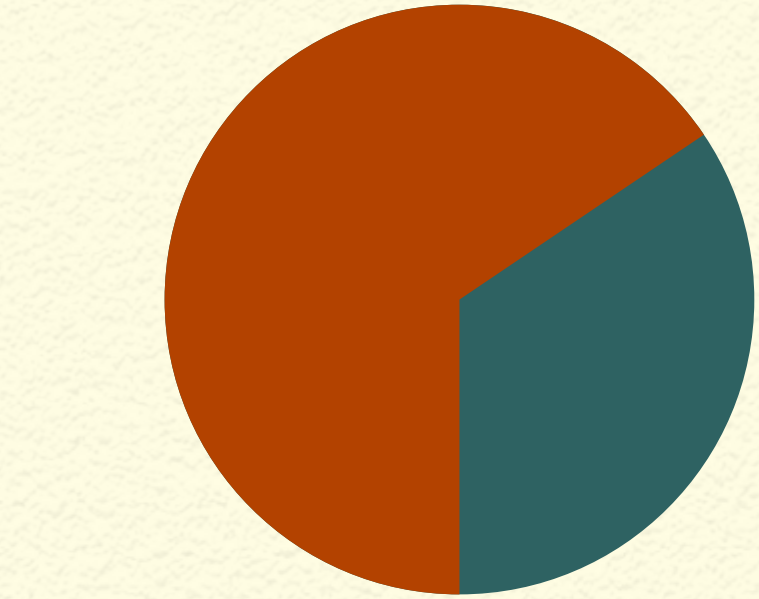

बहराइच लोकसभा सीट का जातीय समीकरण

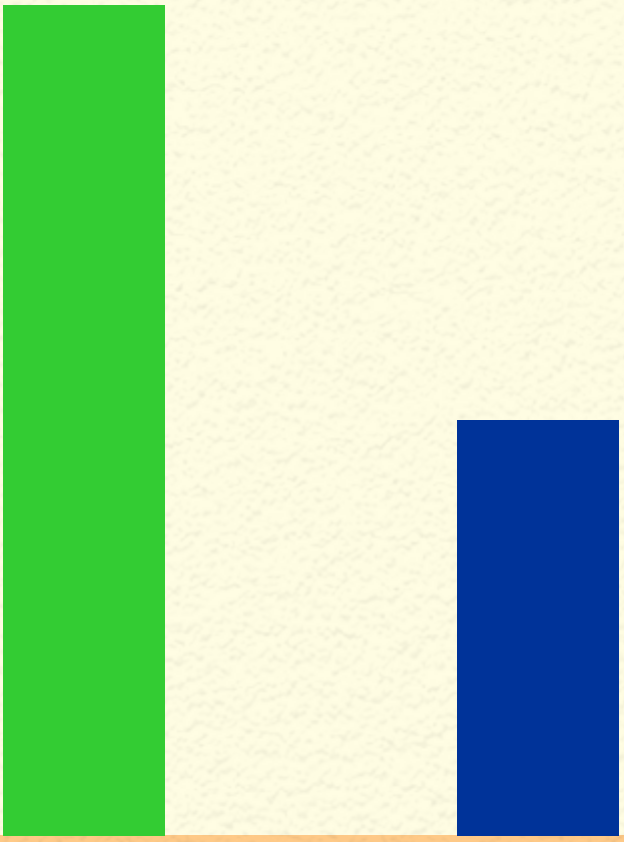

मुस्लिम मतदाता
33.53%

दलित मतदाता
15.6%

इस लोकसभा के 88.6% मतदाता
ग्रामीण इलाकों में रहते हैं

बहराइच लोकसभा से अब तक के सांसद

1952: रफी अहमद किदवई (कांग्रेस)

1957: जोगेंद्र सिंह (कांग्रेस)

1962: कुंवर राम सिंह (स्वतंत्र पार्टी)

1967: केके नायर (भारतीय जनसंघ)

1971: बलदाऊ राम शुक्ला (कांग्रेस)

1977: ओम प्रकाश त्यागी (भारतीय लोकदल)

1980: मौलाना सैयद मुजफ्फर हुसैन (इंदिरा कांग्रेस)

1984: आरिफ मोहम्मद खान (कांग्रेस)

1989: रुद्रसेन चौधरी (बीजेपी)

1991: रुद्रसेन चौधरी (बीजेपी)

1996: पद्मसेन चौधरी (बीजेपी)

1998: आरिफ मोहम्मद खान (बीएसपी)

1999: पद्मसेन चौधरी (बीजेपी)

2004: रुवाब सईदा (एसपी)

2009: कमांडो कमल किशोर (कांग्रेस)

2014: साध्वी सावित्री बाई फुले (बीजेपी)

2019: अक्षयवर लाल (बीजेपी)

परिसीमन और मुस्लिम राजनीति

जिस बहराइच लोकसभा सीट से 6 बार मुस्लिम सांसद रहा हो और जिले की 35 % आबादी मुस्लिम हो उसे 2009 परिसीमन में दलित आरक्षित सीट घोषित कर दिया गया। जिसके बाद से यहाँ से मुस्लिम राजनीती (सांसदी के तौर पर) का लगभग खात्मा हो गया है। इस सीट पर केवल 15.6 फीसदी दलित आबादी है फिर भी इस सीट को परिसीमन में आरक्षित किया गया है।

बहराइच लोकसभा सीट पर कभी किसी एक दल का प्रभुत्व नहीं रहा। 1977 के बाद का दौर अगर देखें, तो 3-3 बार कांग्रेस और बीजेपी को यहां कामयाबी मिली, जबकि समाजवादी पार्टी और बीएसपी कैंडिडेट एक-एक बार यहां से जीतने में कामयाब रहे। जिले की सियासत में कभी चौधरी परिवार का दबदबा रहा। पहले रुद्रसेन चौधरी और बाद में पद्मसेन चौधरी ने इस सीट पर बीजेपी का परचम बुलंद किया।

चौधरी परिवार की सियासी अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मार्च 1996 में सांसद रुद्रसेन चौधरी के निधन पर स्वयं अटल बिहारी वाजपेयी मैगला गांव पहुंचे थे। इसी के बाद अटल ने पद्मसेन चौधरी को दिल्ली बुलाकर कहा कि बेटा अब तुम्हें मेरे साथ काम करना है। 1996 में पद्मसेन को यहां से कामयाबी मिली, लेकिन अगले चुनाव (1998) में वह आरिफ मोहम्मद खान से हार गए।

1999 में एक बार फिर
कांटे की लड़ाई में पद्मसेन ने अपने चिर-
परिचित प्रतिद्वंद्वी आरिफ मोहम्मद खान को मात दे दी।
2004 आते-आते चौधरी परिवार और आरिफ मोहम्मद खान
का जलवा कम होता गया और यहां से डॉ. वकार अहमद शाह
ने अल्पसंख्यक नेता के रूप में नई पहचान बनाई। 2004 में
उनकी पत्नी रुबाब सईदा यहां से सांसद बनीं।

बहराइच विधानसभा
सीट पर खुद डॉ. वकार अहमद शाह पांच
बार निर्वाचित हुए। 1993 में जब पहली बार एसपी-
बीएसपी गठबंधन हुआ था, तो वकार अहमद को बहराइच
सदर सीट से जीत हासिल हुई थी। मुलायम सिंह यादव के
करीबी रहे वकार अहमद शाह के पुत्र यासर शाह इस
समय जिले की मटेरा विधानसभा सीट से विधायक हैं।
उन्होंने 2017 में बीजेपी की जबरदस्त लहर के बावजूद
साइकल को पिछड़ने नहीं दिया।

लोकसभा चुनाव नतीजे 2019

BJP	Akshaibar Lal	525,982
SP	Shabbir Ahmad	3,97,230
INC	Savitri Bai Phule	34,454

लोकसभा चुनाव नतीजे 2014

BJP	Savitri Bai Phule	4,32,392
SP	Shabbir Ahmad	3,36,747
BSP	Dr. Vijay Kumar	96,904

लोकसभा चुनाव नतीजे 2009

INC	Kamal Kishor	1,60,005
BSP	Lal Mani Prasad	1,21,052
SP	Shabbeer Ahmad	1,20,791
BJP	Akshaibar Lal	71,492

बहराइच (आरक्षित) लोकसभा के अंतर्गत आने वाली 5 विधानसभा में वर्तमान विधायक

2022 के विधानसभा चुनाव के अनुसार, अपना दल (सोनीलाल) के पास 1 विधायक, भाजपा के पास 3 विधायक और सपा के पास 1 विधायक है।

Balha (SC)	Saroj Sonkar	BJP
Nanpara	Ram Niwas Verma	Apna Dal
Matera	Mariya Shah	SP
Mahasi	Sureshwar Singh	BJP
Bahraich	Anupma Jaiswal	BJP